एक नजर

कैंप लगाकर बांटे आयुष्मान भारत योजना के फार्म

वाराणसी : पूर्वांचल विकास सेवा समिति व भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को पीलीकोठी स्थित आजाद पार्क में कैंप लगाकर लोगों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ बताते हुए फार्म बांटा गया। खास तौर से काशी क्षेत्र के अध्यक्ष हाजी अनवार साहब व डा. गुफरान जावेद मौजूद रहे। कैंप में सलीम अख्तर, यासिर खान, हुमा बानो शाहिद खान, पूर्व पार्षद शमीम अहमद और मोहम्मद मुर्तजा थे। काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी नवरतन राठी ने बताया कि कैंप में 200 गरीबों को आयुष्मान हेल्थ कार्ड का फॉर्म दिया गया और उन्हें स्वास्थ्य बीमा योजना के बारे में विस्तार से बताया गया। (जासं)

पकड़ी बिजली चोरी, दी तहरीर

वाराणसी : पंडित दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में 50 बेड के निर्माणाधीन अस्पताल में बिना बिजली कनेक्शन लिए उपभोग करते पकड़ा गया। विद्युत विभाग की टीम मौके पर पहुंची तो ठेकेदार कनेक्शन लेने का कोई कागजात पेश नहीं कर सका। मौके पर 21 किलोवाट बिजली चोरी मिलने पर बिजली विभाग ने कैंट थाने में ठेकेदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए तहरीर दी। (जासं)

आयोग सदस्य से मिलेंगे सफाईकर्मी

वाराणसी : राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग की सदस्य मंजू दिलेर गुरुवार को बनारस आएंगी। वह सफाई कर्मचारियों की समस्याओं को सुनेंगी। राज्य सफाई कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष सोनचंद्र वाल्मीकि ने बताया कि उन्होंने सफाई कर्मचारियों से मिलने के लिए सर्किट हाउस में सुबह बुलाया है। संघ 431 संविदा सफाई कर्मियों के लंबित वेतन बढ़ोतरी का मसला उनके सामने रखा जाएगा। (जासं)

कमलेश बने अध्यक्ष

वाराणसी : मिनिस्टीरियल एसोसिएशन इरिगेशन डिपार्टमेंट का चुनाव बुधवार को हुआ। कमलेश सिंह को अध्यक्ष, जनार्दन यादव वरिष्ठ उपाध्यक्ष, आलोक पांडेय व संजय कुमार उपाध्यक्ष, महेंद्र कुमार मंत्री, नंदमोहन यादव कोषाध्यक्ष, विजय चौरसिया संगठन मंत्री, अभय प्रकाश निगम संयुक्त मंत्री एवं दिव्यांशु वर्मा आडिटर नियुक्त हुए। (जासं)

ग्यारहवीं शरीफ पर घर-घर हुई फातेहा

वाराणसी : मदनपुरा स्थित अल्लू की मस्जिद में दो दिवसीय उर्स शबीये रौजा हजरत सैयद अब्दुल कादिर जिलानी गौसे आजम बुधवार को हुआ। देर शाम अकीदतमंद बड़े पीर साहब की अदालत में मुरादें लेकर पहुंचे और चादरपोशी कर फातेहा कराई। तबर्रुक गाह कमेटी के अध्यक्ष हाजी मुख्तार असलम अंसारी की सरपरस्ती में लोगों को काजल, सूरमा, तेल, इत्र आदि दिया गया। उर्स के पहले दिन जहां संदलपोशी हुई, वहीं दूसरे दिन फज्र की नमाज के बाद कुरआनख्वानी एवं अस्र की नमाज के बाद कुल शरीफ व चादरपोशी होगी। खादिम नसीम शाह, इब्राहीम शाह, जामिन जमाल, शाहिद परवेज, अकमल कैफी अंसारी, मो. हाशिम, मो. आमिर आदि थे। (जासं)

बड़ा सवाल, कहां से लाकर किसने फेंका मलबा

नरिया के रोहित नगर कालोनी के प्लाट में फेंका गया शिवलिंग • जागरण

रोहित नगर कालोनी में फेंके गए शिवलिंग • जागरण

जासं, वाराणसी : नरिया इलाके की रोहित नगर कॉलोनी के खाली प्लाट पर बुधवार सुबह मलबे के साथ शिवलिंग किसने फेंके, यह यक्ष प्रश्न बन गया है। इस सवाल की जांच करने की बात पुलिस कह रही है। कांग्रेस नेताओं के साथ ही अन्य का कहना था कि इतनी बड़ी संख्या में शिवलिंग पक्का महाल में श्रीकाशी विश्वनाथ कॉरिडोर के लिए तोड़े जा रहे भवनों में हो सकते हैं। शिवलिंग व प्रतिमाओं के अवशेषों को इस तरह से नाले के पास फेंकना सरासर धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ है। इसकी जांच करा कर जिम्मेदार अधिकारियों, ठेकेदार समेत अन्य पर कार्रवाई हो।

स्थानीय लोगों ने बताया कि भंटू यादव के भूखंड पर मलबा ट्रैक्टरों में लाकर भोर में फेंका गया था। मलबे में शिवलिंग की सूचना पर संकटमोचन चौकी प्रभारी ईश्वर दयाल दुबे पहले पहुंचे और मामला गंभीर देख 126 शिवलिंग मलबे से निकालकर थाने भेज दिया। दोपहर तक कांग्रेस नेताओं को भी इसका पता चला और इसे मुद्दा बनाते हुए वे मौके पर पहुंच गए।

पूर्व विधायक अजय राय, राघवेंद्र चौबे, डॉ. संजय सिंह, अमित पाठक आदि के साथ दर्जनों कार्यकर्ता आए तो मामला तूल पकड़ते देख पुलिस और प्रशासनिक अफसर भी पहुंचे। थाने में धरना देकर केस दर्ज कराने के बाद कांग्रेस नेता व स्वामी अविमुक्तेश्वरानंददोबारा भूखंड पर पहुंचे, जहां कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता शक्ति सिंह गोहिल भी आ गए। उन्होंने शिवलिंग को मलबे के साथ फेंकने की निंदा की। कांग्रेस नेताओं और स्वामी ने मलबे से 43 और शिवलिंग तथा अवशेष खोज निकाले। जिन्हें तख्त पर रखने के बाद फूल-माला डालकर पूजा की गई।

मजदूर नहीं बता सके, ठेकेदार की तलाश : लंका थाना प्रभारी भारत भूषण तिवारी ने बताया कि भूखंड मालिक द्वारा देखभाल के लिए लगाए दो मजदूरों से पूछताछ की गई लेकिन यह नहीं साफ हो सका है कि मलबा कहां से लाकर फेंका गया था। इसकी जांच हो रही है। ठेकेदार का पता लगाया जा रहा है।

चौक थाने के पास से उठा था मलबा

वाराणसी : रोहित नगर कालोनी के एक प्लाट में गिरे मलबे पर उठ रहे सवाल पर रात में विराम लग गया। पुलिस की प्रथम जांच में यह पाया गया कि प्लाट में गिर रहा मलबा चौक थाने के पास से उठाया जा रहा था। वहां मलबा कहां से आया था इस बारे में जांच चल रही है। लंका थाना प्रभारी भारत भूषण तिवारी ने बताया कि रोहित नगर में गिराए गए मलबे की जांच में प्राथमिक तौर पर यह पाया गया कि मलबा चौक थाने के पास से उठाया जा रहा था। मलबा कहां से आया था इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। ट्रैक्टर चालकों के साथ वहां मलबा गिराने वालों से पूछताछ की जाएगी।

सिर लगाने लगे शिवलिंग के टुकड़ों को

जासं, वाराणसी : रोहित नगर कालोनी के एक प्लाट पर गिरे मलबे में शिवलिंग और मूर्ति के टुकड़े मिलने की सूचना मिलते ही सैकड़ों लोग वहां पहुंच गए। लोग मलबे में से मूर्ति के टुकड़े संग शिवलिंग उठाकर सिर पर लगाने के साथ एक स्थान पर रखने लगे। यह सिलसिला शाम तक चलता रहा, वहीं लोग आस्था के साथ खिलवाड़ करने पर मंदिर प्रशासन को कोस रहे थे। प्रशासन और पुलिस कर्मियों को उनके विरोध का भी सामना करना पड़ा। अस्सी नाले के पास स्थित रोहित नगर कालोनी के एक प्लाट में रात में कई ट्रैक्टर मलबा गिराया गया। सुबह लोग प्लाट के पास गए तो शिवलिंग के साथ मूर्ति टुकड़े दिखाई पड़े। कुछ ही देर में यह घटना शहर में आग की तरह फैल गई। मलबे में मूर्ति मिलने पर कुछ लोग उसे उठाकर सिर से लगाने लगे। देखते ही देखते सभी लोग मलबे में गिरे शिवलिंग और मूर्ति को उठाने लगे। कई शिवलिंग और मूर्ति के अवशेष मिलने पर आसपास के लोग तख्त पर चादर बिछाकर हाथ जोड़ने लगे। पुलिस के मना करने पर लोग नाराज तक हो गए। इस बीच एक पुजारी माला-फूल लेकर पहुंच गए और पूजा करने लगे। हालांकि, वह पूजा करने के बाद चला गया।

> लंका क्षेत्र में मलबे में मिले शिवलिंगों की जांच की जा रही है कि यहां कहां से आए हैं। यह कहना अभी उचित नहीं है कि उक्त शिवलिंग विश्वनाथ मंदिर कारिडोर क्षेत्र से निकला है। इसकी जांच कराई जा रही है कि इतनी संख्या में शिवलिंग कौन छोड़ गया।
> **विनय कुमार सिंह**, एडीएम सिटी

नगर कालोनी में फेंके गए शिवलिंग को देखने के लिए जुटे लोग • जागरण

कारिडोर का नहीं तो फिर कहां से आया मलबा

जासं, वाराणसी : लंका क्षेत्र में फेंके गए मलबे में शिवलिंग, नंदी समेत अन्य विग्रह अवशेष पुलिस-प्रशासन के गले की फांस बन गया। इससे विपक्षी दलों की सक्रियता तो बढ़ी ही मंदिर बचाओ आंदोलन के प्रणेता स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने सीधे सरकार को निशाने पर ले लिया। शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के शिष्य प्रतिनिधि ने कहा कि मलबे में मिले लगभग 150 शिवलिंग, अरघे, नंदी समेत विग्रह अवशेषों से प्रमाणित हो गया कि काशी में मंदिर और मूर्तियां तोड़ी जा रही हैं। उन्होंने कहा सुबह जैसे ही सूचना मिली की रोहित नगर में कुछ अवशेष मिले हैं तो महसूस हुआ कि वहां भगवान दबे हुए हैं। पहुंचने से पहले ही प्रशासन ने शिवलिंग हटा दिए थे लेकिन मलबा हटाने पर और शिवलिंग निकले जिन्हें सुरक्षित स्थान पर रखा गया। उन्होंने कहा पूरा मलबा काशी विश्वनाथ मंदिर परिक्षेत्र में तोड़े गए मंदिरों का है। काशी विश्वनाथ मंदिर व विशिष्ट क्षेत्र प्रशासन द्वारा इससे इनकार पर उन्होंने पलटवार किया कि काशी में और कहां इतने ज्यादा भवन टूट गए तो इतने अधिक शिवलिंग मिल रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से पूछा कि मलबा यदि कारिडोर का नहीं तो फिर इतनी संख्या में शिवलिंग कहां से आए। उन्होंने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

पूजा आराधना की, मांगी जिम्मेदारी : स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने जिला प्रशासन से मांग की कि मलबे से मिले सभी शिवलिंग हमें दे दें। यह भगवान बाल स्वरूप में हैं। हम इनको भोग लगा कर पूजा पाठ करेंगे। जब इन्हें लेना होगा हम वापस कर देंगे। इससे पहले उन्होंने समस्त देव विग्रहों व अवशेषों की थाने व रोहित नगर में माला-फूल अर्पित कर पूजा-अर्चना की। इन्हें सीज करने का भी प्रशासन से आग्रह किया।

पुरातत्व अधिकारी ने जनवरी में किया था अनुरोध : काशी विश्वनाथ मंदिर के नीलकंठ द्वार के पास अलंकृत अवशेषों को सुरक्षित रखने के संबंध में क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी डा. सुभाष चंद्र यादव ने जनवरी में ही मुख्य कार्यपालक अधिकारी को पत्र भेजा था। साथ ही अवशेषों को सुरक्षित करवाने का अनुरोध किया था लेकिन उस पत्र का लगता है कि संज्ञान नहीं लिया गया। उन्होंने जनवरी में भेजे गए पत्र में राज्यमंत्री आवास विकास द्वारा प्रधानमंत्री को भेजे गए पत्र और खुद के निरीक्षण का भी उल्लेख किया था।

पहुंचने वालों को रोकती रही पुलिस : शिवलिंग और मूर्ति मिले स्थान पर पहुंचने वालों को पुलिस रोकती रही। उस स्थान पर जाने वाले मोड़ पर एक-दो पुलिस कर्मियों को खड़ा कर दिया गया था। उन्हें दूसरे तरफ जाने का इशारा किया जा रहा है, विरोध करने पर वे शांत हो जा रहे थे। कई लोगों को पुलिस कर्मियों ने मौके पर जाने से रोक दिया।

मंडुआडीह से ही चलेगी शिवगंगा

सिग्नल व अभियंत्रण विभाग ने रोका नान इंटरलॉकिंग 40 ट्रेनों का परिचालन होगा सामान्य

जासं, वाराणसी : पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल के अंतर्गत मंडुआडीह स्टेशन पर होने वाले नान इंटरलॉकिंग कार्य को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है, इसके चलते कई ट्रेनों के मार्ग में परिवर्तन किया गया था। फेरबदल को रेल विभाग ने वापस ले लिया है और सभी गाड़ियों का संचालन पहले की तरह ही होगा। विभागीय लोगों ने बताया कि स्टेशन पर किया जाने वाला एनआइ का काम न करने के लिए सिग्नल और अभियंत्रण विभाग ने संस्तुति की थी। रेलवे प्रशासन ने करीब 40 ट्रेनों के परिचालन में फेरबदल किया था। इनमें 16 गाड़ियों को निरस्त किया था, 10 ट्रेनों के रूट में बदलाव, 6 गाड़ियों के ठहराव स्टेशन व समय में परिवर्तन और शिवगंगा समेत 8 गाड़ियों के संचालन टर्मिनल में परिवर्तन कर कैंट स्टेशन से चलाने का निर्णय लिया गया था।

दो लोगों ने छपरा से इलाहाबाद तक दौड़ाई मालगाड़ी

वाराणसी : एक ही क्रू और गार्ड के साथ छपरा से इलाहाबाद तक 330 किलोमीटर के रास्ते पर संगम क्रैक मालगाड़ी का परिचालन करने वाले रेल कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। पूर्वोत्तर रेलवे के प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक आलोक सिंह ने लोको पायलट, सहायक लोको पायलट और खंड नियंत्रकों को नगद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। उन्होंने चालकों व गार्डों के साथ बैठक कर उनकी समस्यायें सुन समाधान का आश्वासन दिया। सम्मानित रेलकर्मियों में वाराणसी मंडल के लोको पायलट अनिल कुमार, सहायक लोको पायलट धर्मेंद्र कुमार सिंह, गार्ड अर्जुन राय और नियंत्रक इलाहाबाद राजेश सिंह शामिल थे। मंडलीय परिचालन विभाग के कई वरिष्ठ अफसर भी मौजूद थे।

टीटीई को मिल सकेगा गार्ड के समान वेतन

जासं, वाराणसी : रेलवे के टिकट चेकिंग स्टाफ टीटीई और टीसी को जल्द ही रनिंग स्टाफ का दर्जा मिल सकता है। रेलवे बोर्ड से मिली जानकारी के अनुसार इस बाबत रेलवे बोर्ड ने तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। यह समिति भत्ता मद में पड़ने वाले आर्थिक बोझ का आकलन कर अपनी रिपोर्ट तीन माह में सौंपेगी। निर्णय के लागू हो जाने के बाद टीटीई व टीसी को गार्ड व लोको पायलट के समान भत्ता मिलने का रास्ता साफ हो जाएगा। रेलवे बोर्ड के अंडर सेक्रेटरी ईस्ट विजय कुमार की ओर से पत्र जारी कर दिया गया है। उत्तरी रेलवे मजदूर यूनियन के शाखा मंत्री विंध्यवासिनी यादव ने बताया कि इस मामले पर पूर्व में नेशनल फेडरेशन आफ इंडियन रेलवे मेन ने बोर्ड में प्रमुखता से उठाया था।

आरपीएफ ने खोज निकाला मोबाइल

जासं, वाराणसी : काशी एक्सप्रेस से यात्रा कर बनारस आए राजेंद्र अग्रवाल को याद आया कि उनका फोन सीट संख्या 13 पर ही चार्जिंग पर लगा छूट गया है। उन्होंने आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक कक्ष में तैनात विकास सेन को जानकारी दी। विकास ने भदोही आरपीएफ को सूचना दी। दोपहर एक बजे भदोही से आरपीएफ सिपाही अवधेश ने मोबाइल मिलने की सूचना देते हुए पहली गाड़ी से कैंट भेजने की बात कही। वाराणसी-लखनऊ इंटरसिटी से मोबाइल आने के बाद गार्ड ने मोबाइल व चार्जर आरपीएफ को दिया। एक विदेशी सैलानी ने आरपीएफ को बताया कि उसकी ट्रेन छूट गई है। प्रभारी निरीक्षक अनूप सिन्हा के निर्देश पर यात्री को जनरल टिकट देते हुए विभूति एक्सप्रेस से रवाना किया गया।

टी-18 के स्वागत को तैयार बनारस

जासं, वाराणसी : बहुप्रतीक्षित हाई स्पीड ट्रेन टी-18 के काशी आने की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। इस ट्रेन को कैंट स्टेशन से संचालित करने को तैयारियां तेज हो गई हैं। स्टेशन के रंग रोगन से लेकर संभावित जंयई-इलाहाबाद रूट पर रेलवे की तकनीकी टीम के अफसरों ने दौरा और निरीक्षण तेज कर दिया है। हालांकि अभी इस ट्रेन का रूट तय नहीं है। रेल अधिकारियों के मुताबिक

ट्रेन का स्थानीय ट्रैकों पर परीक्षण करने और सीसीआरएस क्लीयरेंस के बाद ही संचालन सुचारू किया जाएगा। वैसे तो टी-18 180 की रफ्तार का नजारा पहले ही दिखा चुकी है लेकिन बनारस में इसकी गति सुरक्षा कारणों से नियंत्रित की जा सकती है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो काशी वासियों को नए साल पर इस ट्रेन का तोहफा मिल सकता है। इस ट्रेन से दिल्ली का सफर जो अभी 12 से साढ़े बारह घंटे में तय किया जाता है, आठ घंटे में तय कर लिया जाएगा।

मंदिर निर्माण के विरोध में उड़ेला केरोसिन

जासं, चिरईगांव : वाराणसी-गाजीपुर मार्ग पर खानपुर गांव के पास बुधवार को बंजर भूमि पर दैत्राबीर बाबा के मंदिर का निर्माण कराने पहुंचे प्रशासन को ग्रामीणों और किसानों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। किसान महेंद्र पटेल व रोहित पटेल मंदिर निर्माण के विरोध में शरीर पर केरोसिन उड़ेल खोदी गई नींव में कूद गए। यह देख अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए। हालांकि, मौके से दोनों किसानों को लेकर पुलिस थाने चली गई। उधर, यह सब देखकर एसडीएम सदर संजीव कुमार मौके से चले गए। कुछ समय बाद एडीएम प्रशासन ने ग्रामीणों व दैत्राबीर मंदिर के पुजारी तूफानी गिरी से वार्ता कर समस्या का हल निकालने की पहल की।

गाजीपुर-वाराणसी चौड़ीकरण के जद में प्राचीन दैत्राबीर मंदिर आने के बाद उसका बंजर भूमि में पुनः निर्माण कराना है। जिस भूमि पर मंदिर निर्माण होना है उसके पीछे खानपुर गांव निवासी महेंद्र पटेल की भी जमीन है। बंजर भूमि पर एसडीएम सदर बुधवार को जेसीबी से नींव खोदवाने लगे तो महेंद्र पटेल और अन्य ग्रामीणों ने यह कहते हुए विरोध शुरू कर दिया कि मंदिर निर्माण के बाद आने-जाने का रास्ता बंद हो जाएगा। किसानों का आरोप है कि इस पर एसडीएम ने सभी को बंद करा देने की धमकी दी, जिस पर ग्रामीण उग्र हो गए। कुछ देर बाद एडीएम प्रशासन मुनींद्र नाथ उपाध्याय पहुंचे और ग्रामप्रधान पति पारस व मंदिर के पुजारी तूफानी गिरी से बीच का रास्ता निकालने के लिए कहा। बाद में किसान द्वारा अपने खेत में 7 गुणे 7 मीटर जमीन देने और बंजर भूमि पर निर्माण नहीं कराने का प्रस्ताव रखा गया जिस पर आम सहमति बनी। सुबह 11 से शाम 4.30 बजे तक चले विरोध प्रदर्शन के दौरान चौबेपुर थानाध्यक्ष मयफोस उपस्थित रहे।

किसान को ले जाती पुलिस

बनारस बार एसो. के लिए मतदान आज

जासं, वाराणसी : बनारस बार एसोसिएशन के लिए गुरुवार को होने वाले वार्षिक चुनाव की तैयारियां हो गई हैं। वरिष्ठ समिति के अध्यक्ष अमरनाथ शर्मा ने बताया कि इस वर्ष चुनाव सीओपी के आधार पर होगा। सीओपी नंबर प्राप्त अधिवक्ता ही मतदान में भाग लेंगे।

अध्यक्ष तथा महामंत्री समेत 16 पदों के लिए किस्मत आजमा रहे 49 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला 4193 मतदाता करेंगे। मतदाताओं को बार कौंसिल द्वारा जारी सीओपी कार्ड अथवा प्रमाणपत्र साथ लाना अनिवार्य होगा। ऐसे अधिवक्ता जिन्हें सीओपी नंबर जारी हो चुका हैं पर अब तक कार्ड प्राप्त नहीं हुआ है उन्हें बार कौंसिल के पहचान पत्र के साथ चुनाव समिति के समक्ष उपस्थित होकर मतदान के लिए सहमति लेनी होगी। मनोरंजन कक्ष में बने मतदान स्थल के बाहर मतदाताओं के लिए बैरेकेडिंग हुई है। मतदान सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक होगा। मतदान के दौरान प्रचार सामग्री व हैंडबिल प्रतिबंधित रहेगा। चुनाव को सकुशल कराने के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता विजय शंकर रस्तोगी, सभाजीत सिंह तथा विजय नारायण सिंह, लल्लू बाबू को पर्यवेक्षक बनाया गया है। 60 अन्य अधिवक्ताओं का सहयोग लिया जा रहा है। बुधवार को प्रचार के अंतिम दिन कचहरी परिसर में जबरदस्त गहमागहमी रही। दिनभर प्रत्याशियों ने समर्थकों के साथ जमकर चुनाव प्रचार किया। प्रतिष्ठापरक अध्यक्ष तथा महामंत्री पद पर सात-सात प्रत्याशी हैं। समर्थक और रणनीतिकार अपनी स्थिति को मजबूती देने की कोशिश में लगे रहे। मतदाताओं के रुझान को देखते हुए इन दोनों पदों पर त्रिकोणीय मुकाबला होने का आसार है।

कार्यशाला — नगर निगम, विकास प्राधिकरण, लोनिवि, प्रशासन और पुलिस में सामंजस्य नहीं

लोगों के पास गाड़ियां हैं, पार्किंग नहीं

जागरण संवाददाता, वाराणसी : सड़क चौड़ीकरण करने, मेट्रो चलाने, बसों की संख्या बढ़ाने से काशी की यातायात व्यवस्था सुधरने वाली नहीं है, क्योंकि पुराना शहर होने के साथ सड़कें संकरी हैं। लोगों के पास गाड़ियां हैं लेकिन उन्हें खड़ी करने के लिए पार्किंग नहीं है। लोग अपनी गाड़ियों को सड़कों पर खड़ी करने के साथ किराए की पार्किंग में खड़ी करते हैं। शहर में जाम लगने या समस्या होने के पीछे कहीं न कहीं संबंधित विभागों का आपस में सामंजस्य नहीं होना है। जब तक जिला प्रशासन, नगर निगम, विकास प्राधिकरण, लोकनिर्माण विभाग और पुलिस में सामंजस्य नहीं होगा, इससे निजात नहीं मिलेगी। यह बातें बुधवार को स्मार्ट सिटी के तहत शहरी यातायात में सुधार को लेकर मंडलायुक्त कक्ष में हुई कार्यशाला में निकलकर सामने आई।

चालकों में रहता है अहम : नगरीय विकास मामले में प्रदेश सरकार के सलाहकार केशव वर्मा ने बनारस में परिवहन व्यवस्था सुदृढ़ करना चुनौती का दर्जा देते हुए कहा कि कार, बाइक समेत अन्य वाहन चलाने वाले चालक अहम रखते हैं। वे सड़क पर पैदल राहगीर देखने के बाद भी वाहन नहीं रोकते हैं, एक के पीछे एक लगाए रहते हैं। विदेश में इसके विपरीत है। वहां रात में सिग्नल से गाड़ियां चलती हैं यहां दिन में सिग्नल तोड़ते हैं।

यातायात को लेकर प्लानिंग नहीं : शहर की स्थिति को देखकर लगता है कि यातायात को लेकर यहां कोई प्लानिंग नहीं हुई है। यहां गलियों में बिल्डर बहुमंजिली इमारतें बना दिए हैं जो ठीक नहीं है, क्योंकि वहां कोई कार नहीं जा सकती है।

अलग-अलग होने चाहिए रूट : डब्लूआरआई के यातायात विशेषज्ञ ओपी अग्रवाल ने कहा कि एक ही सड़क पर पैदल चलने वालों के साथ वाहन भी चलेंगे तो जाम लगना स्वाभाविक है। विभिन्न गाड़ियों की अलग-अलग रफ्तार होती है, ऐसे में अलग-अलग रूट का निर्धारण होना चाहिए। प्रोजेक्टर के माध्यम से जाम की समस्या को सामने रखा।

वाहनों से फैल रहा वायु प्रदूषण : शौक में लोग निजी वाहनों से चलते हैं जबकि बस में कई कार के लोग सवार हो सकते हैं। एक बस का धुआं वायु को कम प्रदूषित करेगा।

कई सड़कों पर लगानी होगी रोक : कई सड़कों पर वाहनों के संचालन पर रोक लगानी होगी। अधिक जाम वाले इलाके में छोटे वाहन चलाने होंगे। साथ में सड़क के हिसाब से वाहनों का चयन करना होगा।

एप का करें इस्तेमाल, बचेगा समय : बसों की लोकेशन के लिए उसमें जीपीएस लगाए जा रहे हैं। साथ में उनका एप भी जारी हो रहा है। एप लोड करने के साथ उसकी लोकेशन लेते रहें जिससे समय बचेगा। यह काम युवा ज्यादा कर रहे हैं।

मंडलायुक्त सभागार में स्मार्ट सिटी की कार्यशाला को संबोधित विशेषज्ञ केशव वर्मा • जागरण

जल परिवहन से मिलेगी राहत

मंडलायुक्त दीपक अग्रवाल ने कहा कि वरुणा और गंगा नदी को जोड़कर जल परिवहन की नई समानांतर व्यवस्था विकसित करने की योजना है। इससे शहरवासियों को जाम से काफी राहत मिलेगी।

फैंटम दस्ता बनाने की जरूरत : यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए फैंटम दस्ता बनाने पर जोर दिया गया। आईजी ने कहा कि जाम वाले स्थानों को चिह्नित वहां विशेष ध्यान दिया जाएगा जिससे लोगों को जाम से राहत मिले।

प्रशासन तेजी से कर रहा काम : डीएम सुरेंद्र सिंह ने कहा कि प्रशासन संबंधित विभागों और काशीवासियों से मिले सुझावों पर योजनाबद्ध तरीके से काम कर रहा है। जल्द ही योजना बनाकर लागू किया जाएगा।

ये लोग रहे मौजूद : मंडलायुक्त दीपक अग्रवाल, आईजी विजय सिंह वीणा, जिलाधिकारी सुरेंद्र सिंह, एसएसपी आनंद कुलकर्णी, नगर आयुक्त नितिन बंसल, वीडीए वीसी राजेश कुमार, एसपी यातायात सुरेश चंद्र रावत, विकास मिश्रा, डा. रजनीकांत मिश्रा, कमलाकांत पांडेय, प्रेम मिश्रा आदि।